

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.

Sr. No. of Question Paper : 8074 **A**

Unique Paper Code : 62277603

Name of the Paper : Economic Development and
policy in India-II

Name of the Course : **B.A.(Prog.) DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer **any 5** questions.
3. **All questions** carry equal marks.
4. **Answers** may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

3. सभी प्रश्नों पर समान अंक हैं।
4. उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते हैं, लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना चाहिए।

1. Provide an overview of the macroeconomic situation in the Indian economy since 2002 and review the problem areas that need policy attention.

2002 के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था में समष्टिगत आर्थिक स्थिति का एक सिंहावलोकन प्रदान करें और उन समस्या क्षेत्रों की समीक्षा करें जिन पर नीतिगत ध्यान देने की आवश्यकता है।

2. Highlight the significant elements in the transformation of Indian agriculture and allied sectors since independence and the policy action that needs to be taken for agricultural and rural development.

स्वतंत्रता के बाद से भारतीय कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के रूपांतरण में महत्वपूर्ण तत्वों और कृषि तथा ग्रामीण विकास के लिए आवश्यक नीतिगत कदमों पर प्रकाश डालिए।

3. The adverse supply shocks in agriculture and failure of manufacturing sector to increase GDP and employment are the twin challenges faced by Indian economy. Elaborate explaining critical issues related to this.

कृषि में प्रतिकूल आपूर्ति आघात और सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार में वृद्धि करने के लिए विनिर्माण क्षेत्र की विफलता भारतीय अर्थव्यवस्था

के सामने दो चुनौतियां हैं। इससे संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों की व्याख्या करते हुए विस्तार से बताएँ।

4. India needs to generate jobs that are formal , productive, have the potential for broader social transformation and can generate exports and growth. Explain the statement with respect to the apparel and footwear sectors.

भारत को ऐसे रोजगार सृजित करने की आवश्यकता है जो सुव्यवस्थित उत्पादक हों, जिनमें व्यापक सामाजिक परिवर्तन की क्षमता हो और जो निर्यात और विकास उत्पन्न कर सकें। परिधान और फुटवियर क्षेत्रों के संबंध में इस कथन की व्याख्या करें।

120

5. Give the trends and patterns of industrial development in India since independence and the reasons behind it.

स्वतंत्रता के बाद से भारत में औद्योगिक विकास की प्रवृत्तियों और स्वरूप और इसके कारणों का वर्णन कीजिए।

6. (a) What has been the role of India in various multilateral and bilateral trade agreements with respect to trade in services?

सेवाओं में व्यापार के संदर्भ में विभिन्न बहुपक्षीय और विपक्षीय व्यापार समझौतों में भारत की क्या भूमिका रही है?

- (b) How can Foreign Direct Investment be further encouraged in the service sector?

P.T.O.

सेवा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को और कैसे प्रोत्साहित किया जा सकता है?

7. What are the prospective opportunities for India in expanding its exports even in a deglobalising world? What policies are required to realise these opportunities?

एक डि-ग्लोबलाइजिंग दुनिया में भी भारत के लिए अपने निर्यात का विस्तार करने के लिए संभावित अवसर क्या हैं? इन अवसरों को वास्तविकता में बदलने के लिए किन नीतियों की आवश्यकता है?

8. Write short notes on any two of the following topics:

निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए -

- (a) Inflation Targeting

मुद्रास्फीति को लक्षित करना

- (b) Modern and traditional service sectors

आधुनिक और पारंपरिक सेवा क्षेत्र

- (c) Land reforms

भूमि सुधार

- (d) Privatisation of Public sector enterprises

सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का निजीकरण